

कलयुग का ये देव निराला श्याम धणी मेरा ये खाटूवाला



कलयुग का ये देव निराला,
श्याम धणी मेरा ये खाटूवाला,
हाथ पसारे जो भी आया,
उसी को माला माल कर दिया। bdi

नये भगत की पहले सुनता,
ये है लीलाधारी,
बिन मांगे ही झोली भरता,
ऐसा है दातारि,
जिसने भी दर पे शीश झुकाया,
मन चाहा फल उसने पाया,
बनके सुदामा जो भी आया,
उसी को लालो लाल कर दिया। bdi

अँधा दर पे आँखे पाता,
निर्धन पाए माया,
बांझन को बेटा मिल जाता,
कोढ़ी कंचन काया,
दुखडो से लड़ के जिसने पुकारा,
बन करके आया उसका सहारा,
नंगे पैरों ही दौड़ा आया,
देखों रे क्या कमाल कर दिया। bdi

कलीकाल में इनके जैसा,
देव नहीं है दूजा,
'हर्ष' कहे घर घर में होती,
श्याम धणी की पूजा,
श्रद्धा से जिसने जोत जलाई,
एक पल में उसकी करता सुनाई,
जिसने भरोसा दिखलाया,
उसी को निहाल कर दिया,
कलयुग का ये देव निराला,
श्याम धणी मेरा ये खाटूवाला,
हाथ पसारे जो भी आया,
उसी को माला माल कर दिया। bdi



कलयुग का ये देव निराला,
श्याम धणी मेरा ये खाटूवाला,
हाथ पसारे जो भी आया,
उसी को माला माल कर दिया। **bd।**

स्वर – सुरभि बिर्जुका
